

उच्चैःश्रवस् m. = उच्चैःश्रवस् AK. 4, 1, 1, 41, Sch.
 उच्चैस् adv. Up. 3, 12. ÇINT. 1, 2. gaṇa स्वरादि zu P. 1, 1, 37 उच्चैस्
 und उच्चैस्. AK. 3, 3, 17. H. 1541. 1) hoch, oben, nach oben, von oben:
 नीचैरुच्चैः स्वधा अभि प्र तस्यै AV. 4, 1, 3. तं चिन्मन्दानो वृषभः सुतस्यो-
 च्चैरिन्द्रो अयगूर्या जघान (auch die folg. Bed. wäre möglich) RV. 5, 32, 6.
 आदित्यमुच्चैः सत्तम् KūAND. Up. 1, 11, 7. पश्चादुच्चैर्भवति (sich erheben) क-
 रिणः स्वाङ्गमायच्छमानः ad ÇAK. 78. उच्चैर्हरामयं ऋङ्गे मुमेरोः KUMĀRAS.
 6, 72. उच्चैर्वत्तिपत्तः AMAR. 34. MEGH. 64. न तुद्रा ऽपि — किं पुनर्यस्तथोच्चैः
 17. विपयुच्चैः स्वेयम् BHARTṚ. 2, 61. उच्चैर्मूल adj. P. 6, 2, 168, Sch. 2, 2, 24,
 VĀRTT. 2, Sch. उच्चैर्गुण MEGH. 37. उच्चैःपदलङ्घनोत्सुक KUMĀRAS. 3, 64. उ-
 च्चैःस्थान adj. von hohem Range M. 7, 121. उच्चैःकुल ÇAK. 92. उच्चैरुच्चैःप्र-
 वाः der erhabene U. KUMĀRAS. 2, 47. — 2) laut: त्रयं वाचो वृषमुपांशु व्य-
 त्तरामुच्चैः ÇAT. Br. 6, 3, 3, 4. द्वयं वाचो वृषम् — उच्चैश्च शनिश्च 7, 1, 3, 18. 1, 4,
 1, 3, 6, 3, 27. 4, 6, 3, 18. 9, 4, 3, 15. KĀTJ. ÇR. 7, 4, 11. प्राक्राण्डुच्चैः N. 11,
 2, 14, 2, 24, 38. BHAG. 1, 12. ÇAK. 136. RAGH. 2, 12, 51. उच्चैर्विकस्य DHĀR-
 TAS. 73, 9. 92, 10. उच्चैःशब्दम् adv. mit lauter Stimme PRAB. 30, 3. उच्चै-
 र्भाषण lautes Reden SUÇR. 1, 69, 17. उच्चैर्भाष्य 367, 1. उच्चैर्युष्म n. AK. 1,
 1, 5, 12. H. 269. कन्या ते जाता । किं तर्क्युच्चैःकृत्य (oder उच्चैः कृत्वा, उ-
 च्चैःकारम् उच्चैः कारम्) आचते । नीचैर्नामाप्रियमाख्येयम् P. 3, 4, 59, Sch. 2,
 2, 21, Sch. hoch (von einem Laute): उच्चैरुदात्तः P. 1, 2, 29. मन्त्रस्त्व गम्भीरे
 तारो ऽत्युच्चैः AK. 1, 1, 3, 2. उच्चैःकार betont machend TS. PRĀT. 2, 10. —
 3) in gesteigertem Maasse, in hohem Grade, kräftig, intensiv: आश्लेषम-
 र्पय मदर्पितपूर्वमुच्चैः AMAR. 94. सर्वनाशे च संजाते प्राणानामपि संशये । अपि
 शत्रुं प्रणाम्योच्चैः रतेत्प्राणान्धनानि च ॥ PAÑKĀT. IV, 22. विदधति भयमुच्चै-
 र्वीक्ष्यमाणा वनात्ताः R. 1, 22. षट् प्रज्ञास्ति यस्योच्चैः स षट्स इति स्मृतः
 TRIK. 3, 1, 16. — instr. pl. von उच्चैः vgl. नीचैस् und शनिस्.

उच्चैस्तर्काम् (von उच्चैस्) adv. überaus hoch u. s. w. P. 5, 4, 11, Sch. VOP. 7, 51.
 उच्चैस्तर (wie eben) adj. höher, recht hoch: वृत्तः P. 5, 4, 11, Sch. VOP.
 7, 51. उच्चैस्तरमगम्यं स्थलमारुह्य PAÑKĀT. 161, 14. KUMĀRAS. 6, 49. nom.
 abstr. उच्चैस्तरत्वं PAÑKĀT. 33, 6. उच्चैस्तराम् adv. P. 5, 4, 11, Sch. VOP. 7,
 51. höher: मूर्धानम् — नितिधारणोच्चमुच्चैस्तरं वक्ष्यति शैलराजः KUMĀ-
 RAS. 7, 68. höher betont: उच्चैस्तरा वा वयङ्कारः P. 1, 2, 35.

उच्चैस्त्व n. nom. abstr. von उच्चैस् P. 1, 4, 1, VĀRTT. 3, Sch.
 उच्छादन n. das Einreiben des Körpers mit Wohlgerüchen AK. 2, 6,
 3, 23, Sch. H. 633, Sch. स्नापनोच्छादनेन R. 2, 111, 10. — Eine Prakṛt-
 Form für उत्सादन, wie auch उच्छाद्य R. 2, 91, 51 und उच्छ्वन SUÇR. 2,
 393, 10. ÇKDR. führt für उच्छ्वन = नष्ट BHAG. als Autorität an; es ist
 aber wohl उत्सन्न 1, 44 gemeint. GORR. hat an der ersten Stelle (2, 120,
 10) आच्छादन, an der zweiten (2, 100, 50) आच्छादयन्.

उच्छास्त्रवर्तिन् (उद्-शास्त्र + वर्त्) adj. ausserhalb der Gesetzbücher
 wandelnd, die Gesetzbücher übertretend: (राज्ञः) लुब्धस्योच्छास्त्रवर्तिनः
 M. 4, 87. JĀGĀN. 1, 140.

उच्छिक्कन s. उच्छिक्कन.
 उच्छिक्व (von उद् + शिक्वा) 1) adj. dessen Flamme nach oben gerich-
 tet ist, hell lodernd; vom Feuer RAGH. 16, 87. PRAB. 83, 4. — 2) m. N.
 pr. eines Nāga (mit emporgerichtetem Kämme) MBH. 1, 2, 150.

उच्छिङ्गन (von शिङ्ग mit उद्) n. das Aufziehen in die Nase (durch
 Einathmen) SUÇR. 2, 344, 6. 358, 19 (wo उच्छिक्कन geschrieben wird).

उच्छिक्ति (von किद् mit उद्) f. Ausrottung, Zerstörung, Vernichtung:
 प्रजानाम् SUÇR. 1, 122, 17. रावणोच्छिक्तये KATHĀS. 13, 82. कोशलो^० RAT-
 NĀV. 4, 10. अनुच्छिक्तिधर्मन् ÇAT. Br. 14, 7, 3, 15.

उच्छिक्स् (उद् + शि^०) 1) adj. mit erhobenem Haupte KUMĀRAS. 3, 75.
 6, 70. — 2) N. pr. eines Berges, der auch Urumuṇḍa heisst, Tib. Le-
 bensb. ÇĀkj. 382.

उच्छिक्लोध (उद् + शि^०) n. Pilz BHĀG. P. im ÇKDR. MEGH. 11. nach
 der v. l. ebend. adj. f. आ mit emporgeschossenen Pilzen.

उच्छिष्ट (von शिष् mit उद्) 1) adj. übriggeblieben s. u. शिष्. — b) an
 dem noch ein Rest von Speise (im Munde, an den Händen) haftet, der
 nach vollbrachter Mahlzeit sich noch nicht den Mund gespült und die
 Hände gewaschen hat und insofern unrein ist: न चोच्छिष्टः कचिद्धनेत्
 M. 2, 56. 4, 75. 82. 109. 142 (vgl. SUÇR. 2, 146, 3). नोच्छिष्टं कुर्वते मुख्या
 विप्रुषो ऽङ्गे पतन्ति याः । न श्मश्रूणि गतान्यास्यं न दत्तातरधिष्ठितम् ॥ 3,
 141. उच्छिष्टेन तु संस्पृष्टः 143. उच्छिष्टगणपति der von Ukkhishṭa (die
 während des Gebets den Mund voll Speise haben) verehrte Ganeṣa
 (Gegens. मृद्गणपति) COLBR. Misc. Ess. I, 199. — 2) n. Ueberbleibsel,
 Rest, namentlich Opferrest und Speiserest AV. 11, 3, 21. 7, 1. fgg. 9, 6,
 48. ऊतोच्छिष्ट ÇAT. Br. 2, 3, 1, 11. अग्निदेवोच्छिष्ट 39. दक्षिणोच्छिष्टाश्च
 3, 3, 16. नेदोच्छिष्टमग्नौ जुक्वाम् 4, 4, 3, 12. धर्मोच्छिष्ट 14, 2, 3, 42. KĀTJ.
 ÇR. 19, 1, 13. दत्तोच्छिष्ट GRHJASAMGR. 2, 97. यद्यपि चाण्डालायाच्छिष्टं प्रय-
 च्छेन् KūAND. Up. 5, 24, 4. नोच्छिष्टं कस्यचिदद्यात् M. 2, 56. 3, 245. 249. 4,
 80. 214. N. 13, 42. द्वितोच्छिष्ट die von den Brahmanen übriggelassene
 Speise M. 3, 140. गृध्रोच्छिष्ट 11, 26. 159. उच्छिष्टभोजिन 4, 212. उच्छिष्ट-
 भोजन n. das Geniessen der Ueberbleibsel Anderer 2, 209. m. ein Brah-
 man, der von den Ueberbleibseln der Opfer lebt, welche den ihm an-
 vertrauten Götzenbildern dargebracht werden, H. 837. अनुच्छिष्टसंपद
 deren (der Lakshmi) Glücksgüter nicht blosse Ueberbleibsel sind RAGH.
 12, 15. अग्निदेवोच्छिष्टिन् nicht in Berührung mit Çūdra und Ueberbleibseln
 kommend ÇAT. Br. 14, 1, 1, 31. — Vgl. मधोच्छिष्ट.

उच्छिष्टता f. nom. abstr. 1) von उच्छिष्ट 1, b) तथा श्मश्रुलोमानि मुख-
 प्रविष्टानि नोच्छिष्टतां जनयन्ति KULL. zu M. 3, 141. — 2) von उच्छिष्ट 2:
 कनैष उष्ट्र उच्छिष्टतां नीतः wer hat das Kameel dahin gebracht, dass
 nur Ueberbleibsel davon da sind? d. i. wer hat das Kameel verzehrt?
 PAÑKĀT. 89, 3. 217, 9. 231, 18.

उच्छिष्टमोदन (उ^० + मो^०) n. Wachs RĀGAN. im ÇKDR.

उच्छिष्य ved. partic. fut. pass. von शिष् mit उद् P. 3, 1, 123.

उच्छिर्षक (von उद् + शिर्ष) 1) adj. der den Kopf ausgerichtet hat
 SUÇR. 2, 202, 19. — 2) n. Kopfkissen H. 683. HALĀJ. im ÇKDR. KAUSH.
 Up. in Ind. St. 1, 402, 3. M. 3, 89.

उच्छुष्क (von शुष् mit उद्) adj. ausgetrocknet: प्रचाण्डिनकरकिरणो-
 च्छुष्कपुष्करवीनम् MĀKĀH. 2, 12.

उच्छुष्म oder उच्छुष्मन् Verwirrung VJUP. 107. उच्छुष्मकल्प Verz.
 d. B. H. 91 (36). Eher von अश् (vgl. शुष्म) mit उद् als von शुष्.

उच्छून s. श्चि mit उद्.

उच्छृङ्खल (उद् + शृ^०) adj. entfesselt, zügellos, keine Schranken ken-
 nend H. 1466. अन्युच्छृङ्खलं सत्तमन्यच्छास्त्रनियन्त्रितम् HIT. III, 97. उ-
 च्छृङ्खलेषु तेषामिन्द्रासीनः VID. 63. उच्छृङ्खलवचनैः PAÑKĀT. 172, 1.